भारत सरकार

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 468**

दिनांक 13 दिसंबर, 2018 को उत्‍तर के लिए

**कुपोषण की वजह से बच्चों में शारीरिक दुर्बलता (वेस्टिंग)**

**468. श्री संजय सेठः**

क्या महिला एवं बाल विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि पिछले एक दशक में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में कुपोषण की वजह से शारीरिक दुर्बलता (वेस्टिंग) में वृद्धि हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) एकल अनाज सार्वजनिक वितरण प्रणाली, जो पोषण में कमी उत्पन्न करती है, को बदलने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या पांच वर्ष से कम आयु के कुपोषित बच्चों की पहचान करने के लिए सरकार द्वारा एकसमान तंत्र अपनाया गया है; और

(घ) यदि हां, तो इसके क्रियान्वयन का ब्यौरा क्या है तथा इससे क्या परिणाम प्राप्त हुए हैं?

**उत्‍तर**

डा. वीरेंद्र कुमार महिला एवं बाल विकास मंत्रालय में राज्‍य मंत्री

(क) : राष्‍ट्रीय परिवार स्‍वास्‍थ्‍य सर्वेक्षण – 4 (2015-16) के अनुसार, पांच वर्ष से कम आयु वाले 21% बच्‍चे शारीरिक रूप से दुर्वल हैं जो कि एनएफएचएस-3 (2005-06) में यथा बताए गए आंकड़े 19.8% में एक वृद्ध‍ि है।

(ख) : राष्‍ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 2013 का उद्देश्‍य खाद्य एवं पोषण सुरक्षा प्रदान करना है और तदनुसार सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत क्रमश: 3, 2 तथा 1 रुपये के सब्‍सीडाइज मूल्‍य पर चावल, गेहूं और मोटे अनाज वितरित किए जाते हैं। मोटे अनाज सूक्ष्‍म पोषक तत्‍वों से भरपूर होते हैं और उनमें बाजरा, रागी तथा सोरगम आदि शामिल हैं ।

(ग) और (घ) : अम्‍ब्रेला आईसीडीएस स्‍कीम की आंगनवाड़ी सेवाओं के अंतर्गत बच्‍चों का समय-समय पर वजन किया जाता है और आयु-हेतु-वजन को कम वजनी बच्‍चों की पहचान करने के लिए मानदंड के रूप में इस्‍तेमाल किया जाता है । इसके अलावा, देश द्वारा बच्चों की पोषण संबंधी स्थिति पर डाटा स्‍वास्‍थ्‍य एवं परिवार कल्‍याण मंत्रालय द्वारा आयोजित किए जाने वाले राष्‍ट्रीय परिवार स्‍वास्‍थ्‍य सर्वेक्षण के माध्‍यम से लिया जाता है । राष्‍ट्रीय परिवार स्‍वास्‍थ्‍य सर्वेक्षण का नवीनतम राउंड वर्ष 2015-16 में आयोजित कि‍या गया था, जिसके परिणाम यह दर्शातें हैं कि बच्‍चों के कुपोषण के स्‍तर में कमी हुई है।

\*\*\*\*\*